जादू का उपचार केवल जादूगर ही कर सकता है।

तथा हसन बसरी से नक़ल किया जाता है कि उन्होंने कहाः जादू का उपचार केवल जादूगर ही कर सकता है।
[ह़सन] [इसे इब्ने अबी शैबा ने रिवायत किया है। - इसे ख़त्ताबी ने रिवायत किया है ।]

النشــرة) 'अल-नुशरा) का अर्थ है, जादू का उपचार। हसन बसरी के इस कथन से मालूम होता है कि जादू का इलाज सिरे से वर्जित है, क्योंकि उनके अनुसार जादू का उपचार वही कर सकता है, जिसके पास जादू का ज्ञान हो और जादू के ज़रिए जादू का इलाज शैतानी अमल है। लेकिन इब्न अल-क़य्यिम ने इस विषय पर विस्तारपूर्वक लिखा है, जिसका सार यह है कि जायज़ दवाओं द्वारा तथा क़ुरआन की आयतों को पढ़कर उसका इलाज किया जा सकता है। हाँ, जादू द्वारा उसका उपचार हराम है।

https://sunnah.global/hadeeth/hi/show/3408